1 भाषा, लिपि और व्याकरण

(Language, Script and Grammar)

मानव के विकास के साथ-साथ उसके मुख से कुछ ध्वनियाँ निकलीं। धीरे-धीरे उसने निश्चित वस्तुओं तथा कामों के लिए कुछ निश्चित ध्वनियों का प्रयोग करना शुरू किया। इन ध्वनियों की सहायता से ही भाषा का निर्माण हुआ। नीचे दिए गए चित्रों को देखो–

पहले चित्र में माँ रजत से बोलकर अपनी बात कह रही है तथा रजत माँ की बात सुनकर समझ रहा है।
दूसरे चित्र में मनप्रीत कविता लिखकर अपने विचार प्रकट कर रहा है तथा उसकी बहन कविता पढ़कर उसके विचारों या भावों को समझ रही है।

इस प्रकार हम सुनकर, बोलकर, पढ़कर तथा लिखकर अपने विचार प्रकट करते हैं एवं दूसरों के विचारों को जानते हैं। इस प्रकार–

> अपने भावों या विचारों को एक-दूसरे तक पहुँचाने का साधन, **भाषा** कहलाता है।

❊ भाषा के रूप ❊ (Forms of Language)

हम बोलकर तथा लिखकर अपने विचार प्रकट करते हैं। इस प्रकार भाषा के दो रूप हमारे समक्ष आते हैं–

1. **मौखिक भाषा** (Oral Language)– जिस भाषा का प्रयोग मुख से बोलकर किया जाता है, उसे मौखिक भाषा कहते हैं; जैसे– बातचीत, कहानी सुनना-सुनाना, भाषण आदि। मौखिक भाषा का बहुत महत्व है क्योंकि विश्व के अधिकतर कार्य आपस में बातचीत के द्वारा ही होते हैं। टेलीफ़ोन के द्वारा दूर बैठे व्यक्ति से बात करना मौखिक भाषा का ही प्रयोग है।

2. **लिखित भाषा** (Written Language)– भाषा के जिस रूप को लिखकर प्रकट किया जाए तथा पढ़कर समझा जाए, उसे लिखित भाषा कहा जाता है; जैसे– समाचार-पत्र पढ़ना, पुस्तक पढ़ना, पत्र-लेखन, निबंध-लेखन आदि। ज्ञान-विज्ञान

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

का अथाह भंडार लिखित भाषा में होने के कारण ही सुरक्षित है। हमारे प्राचीन ग्रंथों के लिखित रूप में होने के कारण ही विश्व के इतिहास में हमारा गौरवपूर्ण स्थान है। वेद, शास्त्र, उपनिषद, रामायण, महाभारत, गीता आदि ग्रंथ लिखित रूप में होने के कारण ही सुरक्षित रहे हैं।

उपयोग के आधार पर भाषा के विभिन्न नाम

मातृभाषा : जो भाषा बच्चा सबसे पहले अपनी माँ से सीखता है, उसे मातृभाषा कहा जाता है।

प्रादेशिक भाषा : किसी एक प्रदेश में बोली जाने वाली भाषा वहाँ की प्रादेशिक भाषा कहलाती है। जैसे गुजरात में गुजराती भाषा बोली जाती है, अतः गुजराती गुजरात की प्रादेशिक भाषा है।

राष्ट्रभाषा : वह भाषा जो देश के अधिकांश भागों में बोली जाती है, उसे राष्ट्रभाषा कहा जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय भाषा : विश्व के दो या दो से अधिक देशों में बोली जाने वाली भाषा अंतर्राष्ट्रीय भाषा कहलाती है। अंग्रेजी अंतर्राष्ट्रीय भाषा है।

यह भी जानें

- विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं में हिंदी का तीसरा स्थान है। भारत के लगभग 70% लोग हिंदी बोलते हैं।
- आजकल हिंदी अंतर्राष्ट्रीय भाषा बन गई है क्योंकि अब विश्व के कई देशों में हिंदी बोली व पढ़ाई जाती है।

संसार की भाषाएँ (Languages of the World)

संसार में विभिन्न भाषाएँ बोली, पढ़ी और लिखी जाती हैं। हिंदी, अंग्रेज़ी, रूसी, चीनी, स्पेनिश, फ़्रांसीसी, अरबी, फ़ारसी आदि संसार की प्रमुख भाषाएँ हैं। कुछ देशों तथा वहाँ बोली जाने वाली भाषा के नाम यहाँ दिए गए हैं-

देश	भाषा
भारत	हिंदी
पाकिस्तान	उर्दू
नेपाल	नेपाली

देश	भाषा
स्पेन	स्पेनिश
इंग्लैंड	अंग्रेज़ी
रूस	रूसी

देश	भाषा
फ्राँस	फ्रेंच
जर्मनी	जर्मन
ईरान	फ़ारसी

बोली (Dialect)

भाषा की प्रारंभिक अवस्था बोली होती है। बोली का रूप स्थायी नहीं होता। उसमें लगातार परिवर्तन होता रहता है। बोली का प्रयोग केवल बोलने के लिए किया जाता है। इसका कोई लिखित रूप नहीं होता। धीरे-धीरे जब बोली का प्रयोग लेखन में होने लगता है तो वही बोली भाषा का रूप ले लेती है। जैसे– ब्रज तथा अवधी आदि

साधारण बोलचाल की भाषा अथवा भाषा के क्षेत्रीय रूप को **बोली** कहा जाता है।

बोली किसी विशेष क्षेत्र में प्रयोग होने वाली बोलचाल की भाषा होती है। बोली का रूप थोड़ी-थोड़ी दूरी पर बदलता जाता है। जैसे–राजस्थानी, हरियाणवी, मैथिली, भोजपुरी आदि।

यह भी जानें

- भारतीय संविधान द्वारा पहले 18 भाषाओं को मान्यता दी गई थी, परंतु बाद में इसमें चार बोलियाँ (मैथिली, कोंकणी, डोगरी तथा बोडो) और जोड़ दी गईं।

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner